कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दिनांक 08 मार्च 2021 को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) के उत्तरकाशी जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसकी थीम कृषि में महिलाओं का नेतृत्व : उद्यमिता, समानता एवं सशक्तिकरण रखी गयी |

इस दौरान केन्द्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओं को सम्मानित करने के साथ साथ उनके अधिकारों एवं उनके आर्थिक उत्थान पर भी बल दिया गया | कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत करते हुए केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ सी. एस. राघव द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाये जाने की महत्ता को उजागर करते हुए बताया गया कि यह दिवस महिलाओं के सम्मान और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है | अपने संबोधन में उन्होनें बताया कि आधुनिकीकरण के इस दौर में भारतीय संस्कृति को बचाये रखने में महिलाओं के अहम योगदान की जरूरत है | साथ ही उन्होनें बताया कि आज महिलाये मात्र कृषि कार्यों में ही नहीं अपितु अन्य क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही है | इन महिलाओं से प्रेरित होकर अन्य महिलाएं भी समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर सकती है |

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका चिन्यालीसौड की माननीय अध्यक्षा श्रीमती बीना बिष्ट ने महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है |

बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में सम्मिलित रही उरेडा की वरिष्ठ परियोजना अधिकारी श्रीमती वंदना ने बताया कि आज के इस दौर में महिलाओं को अपने एवं अपने बच्चों के सामाजिक एवं नैतिक संवर्धन पर बल देने की जरूरत है |

केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ, डॉ पंकज नौटियाल ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करने के साथ ही बताया कि आज के इस कार्यक्रम का एक लक्ष्य भारत को कुपोषण से मुक्त करना भी है | केंद्र के कृषि प्रसार विशेषज्ञ डॉ गौरव पपनै द्वारा मंच के सफल सञ्चालन के साथ साथ महिला किसानों को संतुलित आहार एवं पोषण प्रबंधन से अवगत कराया गया |

इस मौके पर बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण की समस्या, कुपोषण से बचाव के तरीकों , पोषक वाटिका के महत्व एवं पोषण प्रबंधन हेतु जनजागरूकता से सम्बंधित विभिन्न जानकारियाँ दी गयी और खरीफ तथा आगामी माह में बोयी जाने वाली फसलों एवं सब्जियों के बीज वितरित किये गये। इसके साथ ही महिलाओं को पोषक वाटिका निर्माण की रूपरेखा से अवगत कराने के साथ साथ केंद्र परिसर में बनी पोषक वाटिका में भ्रमण भी कराया गया | इस अवसर पर केन्द्र से श्रीमती रोहिणी खोब्रागडे, श्री वरुण सुप्याल, श्री ख्याली राम , रीतिका भास्कर एवं प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती अतरा देवी, गंगा देवी, आगनबाडी सेविकाओं समेत तकरीबन 100 महिलाओं ने भागीदारी की |